Pariksha Saathi — दैनिक करंट अफेयर्स

14 नवंबर 2026 • हिंदी

SSC CGL • CHSL • MTS • IBPS PO/Clerk • SBI PO/Clerk • RRB — 9 खबरें + 5 प्रश्न • स्रोत: PIB (सभी खबरें आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों से)

1 जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव 13 नवंबर 2026 को संपन्न

Two-day National Tribal Literary Festival, organised by the Ministry of Tribal Affairs at the India Habitat Centre, New Delhi, concludes on 13 November 2026

SSC • Railway • General

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने 14 नवंबर 2026 को बताया कि मंत्रालय द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव 13 नवंबर 2026 को संपन्न हुआ। जनजातीय गौरव दिवस समारोह के अंतर्गत आयोजित इस महोत्सव में 'मौखिक परंपरा से समकालीन जनजातीय साहित्य तक' विषय पर देश भर के जनजातीय लेखक, कवि, शोधकर्ता, भाषाविद और विद्वान एक साथ आए। समापन दिवस पर मौखिक महाकाव्यों और वीर गाथा परंपराओं तथा बहुभाषी शिक्षा में स्वदेशी ज्ञान के योगदान पर विषयगत चर्चाएं हुईं और उभरते जनजातीय लेखकों और कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया; वक्ताओं ने गोंड रामायण और भील महाभारत सहित भील और गोंड समुदायों की मौखिक साहित्यिक विरासत के साथ-साथ मणिपुर की वारी लीबा कथा-वाचन परंपरा और खंबा-थोइबी महाकाव्य पर चर्चा की। समापन सत्र में जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव श्रीमती रंजना चोपड़ा ने जनजातीय संगीतकारों और कलाकारों के रचनात्मक अधिकारों को मान्यता देने और उनकी रक्षा के लिए इंडियन परफॉर्मिंग राइट सोसाइटी (आईपीआरएस) के सहयोग से विकसित पहल 'लिविंग रूट्स ओरिजिनल्स' का उल्लेख किया, साथ ही प्रगति मैदान में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के आगामी पुस्तक मेले में जनजातीय साहित्य के लिए एक समर्पित खंड उपलब्ध कराने की मंत्रालय की पहल की जानकारी दी। महोत्सव का सार प्रस्तुत करते हुए साहित्य अकादमी के पूर्व सचिव डॉ. के. श्रीनिवास राव ने बताया कि इसमें 23 जनजातीय भाषाओं सहित 27 भाषाओं का प्रतिनिधित्व हुआ।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336125

2 डिजिटल वैयक्तिक डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 के अंतर्गत सहमति प्रबंधक पंजीकरण ढांचा 13 नवंबर 2026 को लागू; इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव ने ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल dpbi.gov.in का शुभारंभ किया

Consent Manager Registration Framework under the DPDP Act, 2023 comes into effect on 13 November 2026; MeitY Secretary launches the online registration portal dpbi.gov.in

SSC • Railway • Banking • General

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 14 नवंबर 2026 को बताया कि डिजिटल वैयक्तिक डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 के अंतर्गत सहमति प्रबंधकों के लिए पंजीकरण ढांचा 13 नवंबर 2026 को लागू हो गया। कार्यान्वयन के इस चरण के अंतर्गत मंत्रालय के सचिव श्री एस. कृष्णन ने ऑनलाइन पोर्टल https://dpbi.gov.in का शुभारंभ किया, ताकि पात्र कंपनियां सहमति प्रबंधक के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकें। सहमति प्रबंधक ऐसी संस्था है जो भारतीय डेटा संरक्षण बोर्ड (बोर्ड) के साथ पंजीकृत होती है और डेटा प्रिंसिपलों को एक सुलभ, पारदर्शी और अंतर-प्रचालनीय (इंटरऑपरेबल) प्लेटफॉर्म के माध्यम से सहमति देने, उसका प्रबंधन करने, उसकी समीक्षा करने और उसे वापस लेने में सक्षम बनाती है; सहमति प्रबंधक डेटा प्रिंसिपलों के प्रति जवाबदेह होते हैं। भारत में निगमित ऐसी कंपनियां, जिनके पास पर्याप्त तकनीकी, परिचालन और वित्तीय क्षमता है, जिसमें कम से कम 2 करोड़ रुपये का निवल मूल्य शामिल है, सहमति प्रबंधक के रूप में पंजीकरण की मांग कर सकती हैं। पात्र कंपनियां नए पोर्टल के माध्यम से बोर्ड को आवेदन कर सकती हैं; बोर्ड लागू आवश्यकताओं के आधार पर आवेदनों का आकलन करेगा और योग्य कंपनियों को पंजीकृत कर सकता है, तथा पंजीकृत सहमति प्रबंधकों की सूची बोर्ड की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। यह ढांचा डीपीडीपी ढांचे को चरणबद्ध रूप से लागू करने का हिस्सा है। डेटा प्रिंसिपलों के अधिकारों, डेटा न्यासियों (डेटा फिड्यूशरी) के दायित्वों और बोर्ड की जांच तथा दंड प्रक्रियाओं से संबंधित अन्य प्रमुख प्रावधान 13 मई 2027 को लागू होने वाले हैं। डीपीडीपी अधिनियम, 2023 और डीपीडीपी नियम, 2025 के बारे में अधिक जानकारी मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336151

3 भारतीय रेलवे ने नेपाल में जनकपुर धाम और उत्तर प्रदेश में अयोध्या के बीच लगभग 604 किलोमीटर की नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा को मंजूरी दी

Indian Railways approves a new weekly train service between Janakpur Dham in Nepal and Ayodhya in Uttar Pradesh, covering approximately 604 kilometres

SSC • Railway • General

रेल मंत्रालय ने 14 नवंबर 2026 को बताया कि भारतीय रेलवे ने नेपाल में जनकपुर धाम और भारत में उत्तर प्रदेश के अयोध्या के बीच एक नई साप्ताहिक ट्रेन सेवा शुरू करने को मंजूरी दी है। यह सेवा रामायण परंपरा से जुड़े दो स्थानों को जोड़ेगी: जनकपुर धाम, जिसे माता सीता का जन्मस्थान माना जाता है, और अयोध्या, जिसे प्रभु श्री राम का जन्मस्थान माना जाता है। लगभग 604 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह साप्ताहिक सेवा जनकपुर धाम को अयोध्या कैंट से जोड़ेगी और बिहार तथा उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण कस्बों और शहरों से होकर गुजरेगी। टर्मिनल स्टेशनों के अलावा ट्रेन के जयनगर, मधुबनी, शिशो, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर और अयोध्या धाम में वाणिज्यिक ठहराव होंगे। यह सेवा सप्ताह में एक बार चलेगी; यह शनिवार को जनकपुर धाम से और सोमवार को अयोध्या कैंट से रवाना होगी। रिलीज़ के अनुसार इस सेवा से तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और अन्य यात्रियों के लिए सीमा पार यात्रा अधिक सुविधाजनक होने, रामायण से जुड़े पर्यटन सर्किट को बढ़ावा मिलने और बिहार तथा नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के समुदायों को यात्री परिवहन का एक अतिरिक्त विकल्प मिलने की उम्मीद है।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336212

4 भारत ने इटली में एलेट्रा सिंक्रोट्रॉन ट्रिएस्टे के एलेट्रा 2.0 में सह-भागीदार के रूप में अगली पीढ़ी की सिंक्रोट्रॉन बीमलाइनों के लिए 2026-27 से पांच वर्षों में 7 मिलियन यूरो से अधिक की प्रतिबद्धता जताई

India commits more than 7 million Euros over five years from 2026-27 as co-partner in Elettra 2.0 at Elettra Sincrotrone Trieste, Italy, for next-generation synchrotron beamlines

SSC • Railway • Banking • General

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 14 नवंबर 2026 को बताया कि भारत ने एलेट्रा 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत इटली के एलेट्रा सिंक्रोट्रॉन ट्रिएस्टे में अनुसंधान बीमलाइनों के पुनर्विकास में सह-भागीदार के रूप में भाग लेने की घोषणा की है, जिसके लिए 2026-27 से शुरू होकर अगले पांच वर्षों में 7 मिलियन यूरो से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। यह घोषणा केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने 13 नवंबर 2026 को एलेट्रा सिंक्रोट्रॉन ट्रिएस्टे के दौरे के दौरान की। भारत की भागीदारी से अनुसंधान अवसंरचना और मानव संसाधन क्षमता के विकास में सहायता मिलेगी, और उन्नत सुविधाओं से रसायन विज्ञान, भौतिकी, उन्नत सामग्री, संरचनात्मक जीव विज्ञान और अन्य वैज्ञानिक क्षेत्रों में अनुसंधान के नए अवसर खुलेंगे। एलेट्रा 2.0 के अंतर्गत मौजूदा भारत-केंद्रित एक्सआरडी2 (XRD2) और एक्सप्रेस (Xpress) बीमलाइनों को बंद करके उनके स्थान पर उन्नत क्षमताओं वाली दो नई बीमलाइनें लगाई जाएंगी: बृहदणु क्रिस्टलिकी (मैक्रोमॉलिक्यूलर क्रिस्टलोग्राफी) के लिए एक माइक्रोफोकस बीमलाइन, जिसे माइक्रो-एक्सआरडी (µXRD) कहा जाएगा, और उच्च दाब विवर्तन (हाई-प्रेशर डिफ्रैक्शन) के लिए एक बीमलाइन, जिसे एक्सप्रेस सुपरबेंड (Xpress-SB) कहा जाएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) भारत-केंद्रित बीमलाइनों के पुनर्विकास में भाग लेने पर अपनी सहमति पहले ही दे चुका था, और इस संबंध में एक आशय पत्र (लेटर ऑफ इंटेंट) पर हस्ताक्षर किए गए थे। डीएसटी ने लगभग 22 करोड़ रुपये के योगदान से मौजूदा दोनों बीमलाइनों के निर्माण में संयुक्त रूप से सहयोग किया था, और दोनों का संयुक्त रूप से उद्घाटन 20 अक्टूबर 2016 को हुआ था। भारतीय वैज्ञानिक 1998 से एलेट्रा में प्रयोग कर रहे हैं, और भारत वर्तमान में इटली के बाद एलेट्रा का दूसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है; एलेट्रा को भारतीय अनुसंधान समूहों से 1,100 से अधिक प्रायोगिक प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336192

5 तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में सात भागीदार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ ‘जल जीवन मिशन 2.0’ पर पहला क्षेत्रीय सम्मेलन संपन्न; सतत पेयजल सेवाओं और सामुदायिक स्वामित्व पर जोर

First Regional Conference on Jal Jeevan Mission 2.0 concludes in Tiruchirappalli, Tamil Nadu, with seven participating States and Union Territories, emphasising sustainable drinking water services and community ownership

SSC • Railway • Banking • General

जल शक्ति मंत्रालय ने 14 नवंबर 2026 को बताया कि तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में आयोजित ‘जल जीवन मिशन (जेजेएम) 2.0’ पर दो दिवसीय पहला क्षेत्रीय सम्मेलन सतत पेयजल सेवाओं और सामुदायिक स्वामित्व पर जोर के साथ संपन्न हुआ। सितंबर 2026 में आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन के अनुवर्ती कदम के रूप में हुए इस सम्मेलन में सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अनुभवों के आदान-प्रदान, जेजेएम 2.0 सुधारों की प्रगति की समीक्षा और आपसी तालमेल तथा सामूहिक कार्रवाई के अवसरों की पहचान के लिए भाग लिया; जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के सचिव श्री अशोक के. के. मीना ने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए तमिलनाडु सरकार की सराहना की। पहले दिन केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने बचे हुए कार्यों को तेजी से पूरा करने और प्रमुख संरचनात्मक सुधारों को लागू करने पर जोर दिया। दूसरे दिन वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में पांच टीमों ने ग्रामीण पेयजल आपूर्ति बुनियादी ढांचे का दौरा किया और पांच गांवों में ‘जल अर्पण दिवस’ समारोहों में भाग लिया, जिनमें पेयजल बुनियादी ढांचे को औपचारिक रूप से ग्राम पंचायतों को सौंपा गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए सचिव ने कहा कि ‘जल अर्पण’ को राज्य सरकार, कार्यान्वयन विभाग और ग्राम पंचायत के बीच एक निरंतर साझेदारी की शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए, और जेजेएम 2.0 का लक्ष्य घरों में नल कनेक्शन से आगे बढ़कर नियमित, भरोसेमंद और सुरक्षित पेयजल सेवाएं सुनिश्चित करना है, जिसका दीर्घकालिक उद्देश्य घरों के नलों से 24×7 पीने योग्य पानी की आपूर्ति है। उन्होंने राज्यों से वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और जल स्रोतों की निरंतरता के अन्य उपायों की योजना बनाने के लिए निर्णय सहायता प्रणाली (डिसीजन सपोर्ट सिस्टम - डीएसएस) का उपयोग करने का आग्रह किया। डीडीडब्ल्यूएस के संयुक्त सचिव श्री डी. सेंथिल पांडियन ने राज्यों से फरवरी 2027 में प्रस्तावित राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा से पहले सुधारों की तय समय-सीमा का पालन करने का आग्रह किया; इस संरचित समीक्षा प्रक्रिया के अंतर्गत पांच क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित करने की योजना है।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336206

6 केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के अंतर्गत ओडिशा के गरीब परिवारों के लिए पांच लाख पक्के मकानों की घोषणा की

Union Minister Shivraj Singh Chouhan announces five lakh pucca houses for poor families in Odisha under the Pradhan Mantri Awas Yojana-Gramin (PMAY-G)

SSC • Railway • Banking • General

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 14 नवंबर 2026 को ओडिशा के बलांगीर में मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी की उपस्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में इस योजना के अंतर्गत ओडिशा के गरीब परिवारों के लिए पांच लाख पक्के मकानों की घोषणा की। इस अवसर पर बलांगीर में एक नए कृषि कॉलेज का शिलान्यास भी किया गया। श्री चौहान ने कहा कि नया सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और सभी पात्र परिवारों को चरणबद्ध तरीके से पक्के मकान मिलेंगे, तथा मकानों पर सोलर पैनल लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर सब्सिडी देंगी। उन्होंने बताया कि ओडिशा ने 27 लाख 'लखपति दीदी' का लक्ष्य समय से एक वर्ष पहले हासिल कर लिया है और अब 29 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं, तथा अगले पांच वर्षों में देशभर की महिलाओं को बैंकों के माध्यम से 10 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए जाएंगे; अकेले अपना व्यवसाय शुरू करने वाली महिलाओं को भी बिना गारंटी के ऋण मिल सकेगा। उन्होंने सुभद्रा योजना का उल्लेख किया, जिसके तहत ओडिशा की महिलाओं को सालाना 10,000 रुपये मिलते हैं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत- जी राम जी' योजना के तहत इस वर्ष ओडिशा को लगभग 4,000 करोड़ रुपये मिलेंगे, जिससे हर पंचायत को सालाना 25 लाख से 50 लाख रुपये मिलेंगे; पांच वर्षों में छोटी पंचायतों को 1 करोड़ रुपये तक और बड़ी पंचायतों को 2 करोड़ रुपये तक विकास कार्यों के लिए मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 1,700 किलोमीटर सड़कों की स्वीकृति के बाद अब बचे हुए सभी गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा जाएगा।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336269

7 अप्रैल-अक्टूबर, वित्त वर्ष 2026-27 में भारत का निर्यात 16.66% बढ़कर 568.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर हुआ; लगातार सात महीनों में वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज

India's exports grow 16.66% to US$ 568.84 billion in April-October FY 2026-27, recording seven consecutive months of year-on-year growth

SSC • Banking • Railway • General

14 नवंबर 2026 को जारी पीआईबी के एक पृष्ठभूमि नोट (बैकग्राउंडर) के अनुसार अप्रैल-अक्टूबर, वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान भारत का निर्यात 16.66% बढ़कर 568.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक वर्ष पहले 487.59 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, और निर्यात में लगातार सात महीनों तक वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी वस्तु और सेवा, दोनों के निर्यात में वृद्धि को दर्शाती है: इस अवधि में वस्तु निर्यात में 21.96% और सेवा निर्यात में 10.93% की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल-अक्टूबर, वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान कुल निर्यात में सेवाओं की हिस्सेदारी लगभग 45.7% रही। अक्टूबर में कुल निर्यात 89.99 बिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया, जो 29.90% की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि है, और वस्तु निर्यात 45.06% उछलकर 49.47 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। दस प्रमुख निर्यात श्रेणियों में से सात ने दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की; पृष्ठभूमि नोट में दी गई प्रमुख वृद्धि वाली श्रेणियों में अन्य अनाज (109.74%), पेट्रोलियम उत्पाद (47.71%) और इलेक्ट्रॉनिक सामान (46.92%) शामिल हैं। वस्तु निर्यात के दस सबसे बड़े गंतव्यों में से आठ ने भी दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की; पृष्ठभूमि नोट की चुनिंदा गंतव्यों की तालिका में सिंगापुर (107.50%) और मलेशिया (106.87%) सबसे ऊपर हैं। पृष्ठभूमि नोट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात 863.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था, जिससे लगातार पांच वर्षों तक रिकॉर्ड निर्यात का क्रम पूरा हुआ।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336328

8 वांगला महोत्सव की स्वर्ण जयंती: गारो सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के 50 वर्ष; मेघालय में 1,000 पारंपरिक ड्रम वादकों ने एक साथ प्रस्तुति दी

Wangala Festival Golden Jubilee marks 50 years of preserving Garo cultural heritage; 1,000 traditional drummers perform together in Meghalaya

SSC • Railway • General

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 14 नवंबर 2026 को मेघालय में समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वांगला महोत्सव का स्वर्ण जयंती समारोह इस बात का प्रतीक है कि गारो समुदाय पांच दशकों से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामूहिक पहचान और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहा है। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण 1,000 पारंपरिक ड्रम वादकों की सामूहिक प्रस्तुति रही, जिन्होंने गारो समुदाय का पारंपरिक वाद्य दामा बजाया। मंत्री ने कहा कि यह महोत्सव भरपूर फसल के लिए प्रकृति और धरती माता के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है और मनुष्य तथा प्रकृति के बीच गहरे संबंध को दर्शाता है। उन्होंने गारो संस्कृति के संवर्धन और संरक्षण के लिए एक साझा मंच की परिकल्पना करने वाले अग्रदूतों को श्रद्धांजलि दी, विशेष रूप से मेघालय के पहले मुख्यमंत्री स्वर्गीय कैप्टन ए. विलियमसन संगमा और पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय पी. ए. संगमा को। उन्होंने चिब्रग्रे और गारो विरासत ग्राम (गारो हेरिटेज विलेज) को ऐसे स्थानों के रूप में चिह्नित किया, जो महत्वपूर्ण सांस्कृतिक पर्यटन स्थल बन सकते हैं। उन्होंने पारंपरिक गीतों, लोककथाओं और अनुष्ठानों के दस्तावेज़ीकरण की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि युवाओं को पर्यटक गाइड, होमस्टे संचालक, आतिथ्य पेशेवर, उद्यमी और सांस्कृतिक कथावाचक बनने के अवसर मिलने चाहिए।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336308

9 बेल्जियम नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल टैंगी बॉटमैन 14 नवंबर 2026 को भारत की आधिकारिक यात्रा पर; नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन के साथ चर्चा की

Rear Admiral Tanguy Botman, Commander of the Belgian Navy, on an official visit to India on 14 November 2026; holds discussions with Chief of the Naval Staff Adm Krishna Swaminathan

SSC • Railway • Defence • General

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बेल्जियम नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल टैंगी बॉटमैन 14 नवंबर 2026 को भारत की आधिकारिक यात्रा पर थे। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करना तथा उनकी नौसेनाओं के बीच आपसी संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाना था। भारत पहुंचने पर उन्होंने राष्ट्रीय समर स्मारक में पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिसके बाद साउथ ब्लॉक में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यात्रा के दौरान उन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन के साथ आपसी हित के कई मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें समुद्री सुरक्षा, परिचालन गतिविधियां, प्रशिक्षण, कर्मियों का आदान-प्रदान और नौसैनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग शामिल थे। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श के लिए अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की। मंत्रालय के अनुसार भारत और बेल्जियम के बीच लंबे समय से समुद्री संबंध रहे हैं, और यह यात्रा दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिससे मौजूदा सहयोग को और मजबूती मिलने के साथ-साथ मिलकर काम करने के नए अवसर खुलने की आशा है।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2336275

आज का अभ्यास — 5 प्रश्न

प्र.1 भारतीय विद्यार्थियों ने थाईलैंड के उबोन रात्चाथानी में खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 5वें अंतरराष्ट्रीय जूनियर ओलंपियाड (आईओएए-जूनियर) 2026 में 5 पदक जीते। इन पदकों का विवरण क्या था?

(A) 2 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य
(B) 3 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य
(C) 1 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य
(D) 2 स्वर्ण, 1 रजत और 2 कांस्य

प्र.2 नीति आयोग की 'पीएलआई योजनाओं के प्रभाव का आकलन' रिपोर्ट के लिए ज्ञान भागीदार कौन-सा संस्थान था?

(A) भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद
(B) भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु
(C) राष्ट्रीय व्यावहारिक आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर)
(D) भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी)

प्र.3 केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित रबी 2026-27 (01.10.2026 से 31.03.2027 तक) के लिए पीएंडके उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) की संभावित बजटीय आवश्यकता लगभग कितनी है?

(A) 24,417.73 करोड़ रुपये
(B) 26,370.02 करोड़ रुपये
(C) 62,370.02 करोड़ रुपये
(D) 37,952.29 करोड़ रुपये

प्र.4 तुर्किए के अंताल्या में यूएनएफसीसीसी कॉप31 में भारत ने पेरिस समझौते के किस प्रावधान के मूलभूत महत्व को रेखांकित किया, जो विकसित देशों के लिए विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने का दायित्व तय करता है?

(A) अनुच्छेद 4.1
(B) अनुच्छेद 6.2
(C) अनुच्छेद 7.1
(D) अनुच्छेद 9.1

प्र.5 भारत ने एलेट्रा सिंक्रोट्रॉन ट्रिएस्टे में अनुसंधान बीमलाइनों के पुनर्विकास कार्यक्रम एलेट्रा 2.0 में सह-भागीदार के रूप में पांच वर्षों में 7 मिलियन यूरो से अधिक की प्रतिबद्धता जताई है। यह सुविधा किस देश में स्थित है?

(A) इटली
(B) जर्मनी
(C) स्विट्ज़रलैंड
(D) फ्रांस

उत्तर: 1-(A) 2-(A) 3-(C) 4-(D) 5-(A)

रोज़ सुबह 7 बजे यही PDF Telegram पर: t.me/parikshasaathiapp — चैनल से जुड़ें और दोस्तों को भेजें

रोज़ का PDF: parikshasaathi.com/daily-pdf — सभी संस्करण: parikshasaathi.com/downloads/

वेबसाइट: parikshasaathi.com (हिंदी + English में 248 पाठ, रोज़ का करंट अफेयर्स, परीक्षा नोटिस)

ऐप: Pariksha Saathi — Free, Offline, SSC/Bank की पूरी तैयारी। प्रकाशक: Mahesh Srivastava, Founder. सामग्री आधिकारिक विज्ञप्तियों से AI की सहायता से तैयार; किसी विषय-विशेषज्ञ संपादक द्वारा समीक्षित नहीं। ग़लती दिखे तो parikshasaathi.com/contact/ पर बताएँ।